‘कटपीस कुमार’: कहानी से रचना, रचना से संवेदना तक

फील्ड-स्तर का दृष्टिकोण

लेखक: अरविन्द कुमार सिंह, प्राथमिक विद्यालय सहायक अध्यापक, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश

प्राथमिक विद्यालय बंगला पूठरी, बुलंदशहर की कक्षा 4 में जब इंदु हरिकुमार द्वारा रचित पुस्तक ‘कटपीस कुमार’ को बच्चों के साथ साझा किया गया, तो यह केवल एक कहानी-पाठ नहीं रहा। अपितु कहानी के मुख्य पात्र कटपीस कुमार की गतिविधियाँ और छोटे-छोटे संसाधनों से बनाई गई उसकी गोदड़ी बच्चों को सृजन की एक रोमांचकारी यात्रा पर ले गई। यह कहानी बच्चों की अपनी दुनिया से इतनी गहराई से जुड़ी हुई थी कि वे बार-बार अपने अनुभवों को इससे जोड़ने लगे।
किसी ने कहा—
“सर, मैंने भी अपनी बहन के लिए गुल्लक, थैला, कार, चश्मा, बंदूक आदि बनाए हैं।”
यह कहानी बच्चों को एक ऐसे **सुनहरे सफ़र** पर ले जा रही थी, जहाँ कल्पना, स्मृति और संवेदना एक-दूसरे से जुड़ती चली जाती हैं।

बच्चों की पहल : ‘कटपीस कुमार विशेषांक’ का विचार

कहानी पर चर्चा के दौरान बच्चों ने स्वयं यह इच्छा व्यक्त की कि वे इस पुस्तक पर कुछ रचनात्मक कार्य करना चाहते हैं। सामूहिक बातचीत में यह निर्णय लिया गया कि इस बार की दीवार पत्रिका को ‘कटपीस कुमार विशेषांक’ के रूप में तैयार किया जाएगा।

रचनाओं के लिए निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई—
- अपने **भाई-बहनों के लिए पहले बनाई गई हस्तनिर्मित वस्तुओं** की यादों पर लेख
- कहानी के पात्र को पत्र
- दीवार पत्रिका की सजावट, कहानी की भावना के अनुरूप

लेखन की प्रक्रिया: यादों से शब्दों तक

जब बच्चों ने लिखना शुरू किया, तो कक्षा में एक अलग ही माहौल था। कोई सोच में डूबा था, कोई अपने घर की घटना याद कर रहा था, तो कोई मुस्कुराते हुए लिख रहा था। यह केवल लेखन अभ्यास नहीं था, बल्कि अनुभवों की सजीव अभिव्यक्ति थी।

इसी क्रम में नैना ने कहानी के मुख्य पात्र कटपीस कुमार को एक पत्र लिखा—

> “प्रिय कटपीस कुमार,
> मुझे पता चला कि तुमने माचिस की डिब्बियों से रेलगाड़ी बनाई। यह भी पता चला कि तुम्हारे घर में छोटा मेहमान आने वाला है...
> मैंने भी अपनी गुड़िया के लिए ड्रेस बनाई थी, पर वह फट गई...
> तो मैंने रूमाल से टेडी बियर बनाया और अपनी बहन को दे दिया...
> क्या तुमने भी ‘उड़ान’ पत्रिका बनवाई है?”

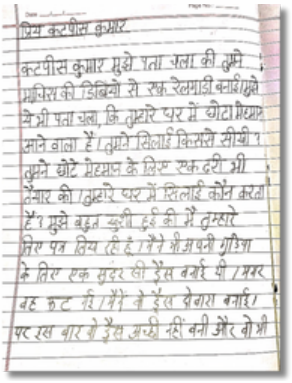

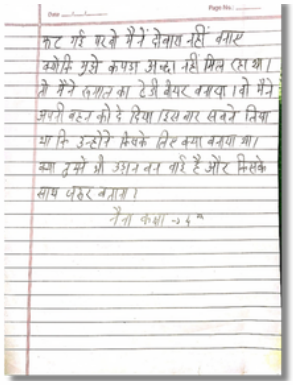

प्रिय कटपीस कुमार
कटपीस कुमार मुझे पता चला की तुमने
माचिस की डिब्बियो से एक रेलगाड़ी बनाई। मुझे
ये भी पता चला, कि तुम्हारे घर में छोटा मेहमान
आने वाला हैं। तुमने सिलाई किससे सीखी?
तुमने छोटे मेहमान के लिए एक दरी भी
तैयार की। तुम्हारे घर में सिलाई कौन करता
हैं? मुझे बहुत खुशी हुई की मैं तुम्हारे
लिए पत्र लिख रही हूं। मैंने भी अपनी गुड़िया
के लिए एक सुंदर सी ड्रैस बनाई थी। मगर
वह फट गई। मैंने वो ड्रैस दोबारा बनाई।
पर इस बार वो ड्रैस अच्छी नहीं बनी और वो भी

फट गई परंतु मैंने दोबारा नहीं बनाए
क्योंकि मुझे कपड़ा अच्छा नहीं मिल रहा था।
तो मैंने रुमाल का टेडी बैयर बनाया। वो मैंने
अपनी बहन को दे दिया। इस बार सबने लिया
था कि उन्होंने किसके लिए क्या बनाया था।
क्या तुमने भी उड़ान बनवाई है और किसके
साथ जरूर बताना।
नैना कक्षा -> 4

इस पत्र में जिज्ञासा, आत्मीयता, असफलता को स्वीकार करने का साहस और बहन के प्रति स्नेह—सब कुछ एक साथ दिखाई देता है। यह स्पष्ट था कि नैना कहानी से संवाद कर रही थी, केवल लिख नहीं रही थी।

भाई-बहन के रिश्ते और रचनात्मकता

अन्य बच्चों के लेख भी इसी प्रकार भावनाओं से भरे हुए थे।

साक्षी ने अपने भाई के लिए बनाई गई गाड़ी के बारे में लिखा—
“मैंने मम्मी के सामान के डिब्बे और खाली बोतल की मदद से गाड़ी बनाई... पीला रंग किया... मेरा भाई बहुत खुश हुआ।”

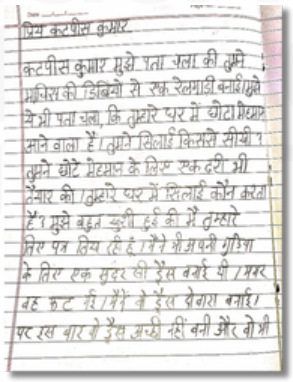

प्रिय कटपीस कुमार
कटपीस कुमार मुझे पता चला की तुमने
माचिस की डिब्बियो से एक रेलगाड़ी बनाई। मुझे
ये भी पता चला, कि तुम्हारे घर में छोटा मेहमान
आने वाला हैं। तुमने सिलाई किससे सीखी?
तुमने छोटे मेहमान के लिए एक दरी भी
तैयार की। तुम्हारे घर में सिलाई कौन करता
हैं? मुझे बहुत खुशी हुई की मैं तुम्हारे
लिए पत्र लिख रही हूं। मैंने भी अपनी गुड़िया
के लिए एक सुंदर सी ड्रैस बनाई थी। मगर
वह फट गई। मैंने वो ड्रैस दोबारा बनाई।
पर इस बार वो ड्रैस अच्छी नहीं बनी और वो भी

फट गई परंतु मैंने दोबारा नहीं बनाए
क्योंकि मुझे कपड़ा अच्छा नहीं मिल रहा था।
तो मैंने रुमाल का टेडी बैयर बनाया। वो मैंने
अपनी बहन को दे दिया। इस बार सबने लिया
था कि उन्होंने किसके लिए क्या बनाया था।
क्या तुमने भी उड़ान बनवाई है और किसके
साथ जरूर बताना।
नैना कक्षा -> 4

इस छोटे से लेख में भाई के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और उपहार देने का गर्व स्पष्ट झलकता है।

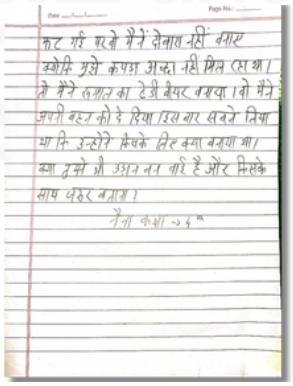

इसी तरह नैना ने अपनी छोटी बहन के लिए रूमाल से बनाए गए टेडी बियर को याद करते हुए लिखा कि **बहन के पास सिर्फ एक ही खिलौना था, इसलिए उसने कुछ नया बनाने का निर्णय लिया।** यह लेख संवेदनशीलता और समस्या-समाधान की क्षमता को दर्शाता है।

परिवार से सीख और सहयोग

मानवी के लेखन में पारिवारिक परिवेश की झलक स्पष्ट दिखाई दी। उसने लिखा कि **उसके पापा सिलाई का काम करते हैं और बचे हुए कपड़ों से उसने और उसकी सहेली ने गुड़िया के कपड़े और थैला बनाया।** बाद में वह थैला उसने अपनी चाचा की बेटी को दे दिया।

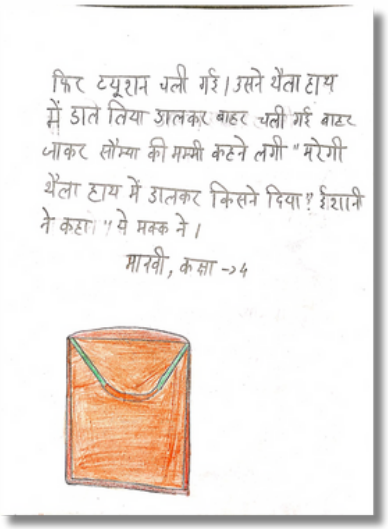

यह लेख दिखाता है कि बच्चे अपने घर के श्रम, संसाधनों और मूल्यों को किस तरह सीख के रूप में आत्मसात कर रहे हैं।

फिर ट्यूशन चली गई। उसने थैला हाथ
में डाले लिया डालकर बाहर चली गई बाहर
जाकर सौम्या की मम्मी कहने लगी "मेरेगी
थैला हाथ में डालकर किसने दिया? ईशानी
ने कहा "ये मक्क ने।
मानवी, कक्षा -> 4

समस्या-समाधान और रचनात्मक सोच

कशिश ने बहन के जन्मदिन पर बनाई गई गत्ते की खरगोश वाली गुल्लक के बारे में लिखा। लेख में यह स्पष्ट था कि उसने पहले समस्या पहचानी—
"मेरी बहन के पास गुल्लक नहीं है," और फिर उसका समाधान खोजा।

इसी प्रकार **परी** ने गत्ते से बनाए गए घर के बारे में लिखा, जिसे छोटी बच्ची ने अगले दिन तोड़ दिया। इसके बावजूद लेख में कोई शिकायत नहीं, बल्कि बच्चों की सहज प्रकृति को स्वीकार करने का भाव दिखाई देता है।

दीवार पत्रिका की सजावट: कपड़ों से 'उड़ान'

जब सभी लेख तैयार हो गए, तब दीवार पत्रिका की सजावट का कार्य शुरू हुआ। बच्चों ने अपने घरों से **छोटे-छोटे रंग-बिरंगे कपड़ों के टुकड़े** लाए—

- बॉर्डर कपड़ों से बनाई गई
- लेखों के शीर्षक कपड़े पर चिपकाए गए
- और दीवार पत्रिका का नाम **'उड़ान'** भी कपड़ों के टुकड़ों से तैयार किया गया

यह प्रक्रिया बच्चों के लिए अत्यंत आनंददायक थी। वे रंग चुन रहे थे, पैटर्न बना रहे थे और एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। कक्षा में सहयोग, सहिष्णुता और भाईचारे का वातावरण स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।

शिक्षक के रूप में अनुभव और सीख

इस संपूर्ण कक्षा-अनुभव ने यह स्पष्ट किया कि जब बच्चों को पढ़ने, सोचने, बनाने और लिखने का अवसर एक साथ दिया जाता है, तो सीख स्वाभाविक रूप से घटित होती है। बच्चों के लेखों में भाषा कौशल के साथ-साथ संवेदना, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का भी विकास दिखाई दिया।

यह गतिविधि NEP 2020 की भावना—अनुभवात्मक, कला-एकीकृत और बाल-केंद्रित शिक्षा—को कक्षा में साकार करती है तथा FLN के अंतर्गत पठन, लेखन, मौखिक अभिव्यक्ति और सामाजिक-भावनात्मक सीख को मजबूती प्रदान करती है।

एक जीवंत कक्षा-अनुभव

‘कटपीस कुमार’ पर आधारित यह कक्षा-अनुभव यह दर्शाता है कि बाल साहित्य बच्चों को केवल कहानी नहीं देता, बल्कि उन्हें **अपने अनुभवों को समझने, शब्द देने और साझा करने का साहस भी देता है।** दीवार पत्रिका ‘उड़ान’ बच्चों की उसी उड़ान का प्रतीक बनी—जहाँ कहानी, रचना, कला और भावना एक-दूसरे में घुलकर सीख का उत्सव बन गई। मुझे आशा है कि भविष्य में भी छात्र-छात्राओं की सीखने–सिखाने की यात्रा इसी तरह गतिमान रहेगी।

कटपीस कुमार कहानी (वीडियो):

https://youtu.be/TU7Jqas_DT0?si=dl9mU3R3N-o0H3fN

दिवार पत्रिका:

https://drive.google.com/file/d/1MTzLd9lZhwd45CnnmiEo2ApV3WjxgjRI/view?usp=sharing

लेखक परिचय:

अरविन्द कुमार सिंह के प्राथमिक विद्यालय बंगला पूठरी जनपद बुलंदशहर उत्तर प्रदेश में पिछले 9 वर्षों से सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत है। अरविन्द कुमार सिंह LLF के नौ माह कोर्स के पूर्व प्रतिभागी भी है। इसके साथ ही उनके विद्यालय के छात्र-छात्राएं पिछले 3 वर्षों से उड़ान नाम की दीवार पत्रिका बना रहे हैं साथ ही छात्र-छात्राओं के लिए कविता, कहानी, चित्र और लेख बाल विज्ञान पत्रिका चकमक में लगातार प्रकाशित होते रहते हैं। इनके विद्यालय के छात्रों द्वारा बनाया गया टाइमलाइन कैलेंडर को SCERT राजस्थान द्वारा प्रकाशित की जाने वाली हवा महल पत्रिका में चुका है। इनके कक्षा अनुभव लगातार विभिन्न पत्रिका एवं वेबपोर्टल पर प्रकाशित होते रहते है।